

Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)



Scheme and Syllabus

of

M. A.(SANSKRIT)

Program Code: MASANP124

Annual system for affiliated college
(As per LOCF and credit system)

w.e.f. 2023-2024

(As approved by AC and EC meetings held on 16.08.2023 and 18.04.2023 respectively)

शैक्षणिक सत्र 2023-24 से प्रभावशील

M.A. Sanskrit Previous

Programme Learning Outcome

1. छात्रों में लेखन एवं वाचन में भाषागत कौशल का विकास होगा।
2. भाषिक ज्ञान के साथ अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा।
3. प्राचीन भारतीय विद्या की जानकारीपूर्वक राष्ट्रगौरव की चेतना विकसित होगी।
4. भारतीय सांस्कृतिक परम्परा से अवगत होकर विश्वमानवता के भाव में प्रतिष्ठित होंगे।
5. नैतिक तथा मानवीय मूल्यों को आत्मसात् कर राष्ट्रोन्नति में एक सक्षम मानव संसाधन सिद्ध होंगे।

Programme Specific Learning Outcome

1. विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत का अवबोध होगा।
2. वर्तमान युग में संस्कृतभाषा की प्रासंगिकता का ज्ञान होगा।
3. संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी।
4. संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा।
5. संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी।
6. भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी।

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

- ऑनलाइन सम्मिलित

- ऑनलाइन सम्मिलित



अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

कोनी पुलिस थाना के सामने, बिलासपुर-रतनपुरमार्ग, कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) 495009

Website : www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction		
Program: MA SANSKRIT	YEAR: PREVIOUS	w.e.f. Academic Session: 2023-24
1. Course Code	SAMP101	
2. Course Title	वैदिक भाषा तथा साहित्य	
3. Course Type	Theory	
4. Pre-requisite (if any)	No	
5. Course Learning Outcomes (CLO)	At the end of this course, the students will be able to: <ul style="list-style-type: none">• विश्व के प्राचीनतम, तथा भारत के ज्ञानागारभूतग्रन्थ ऋग्वेद का ज्ञान होगा।• अन्यवैदिक, पौराणिकसाहित्य के अनुशीलन से प्राचीन ज्ञान-सम्पदा का बोध होगा।• वैदिकसाहित्य में प्रतिपादित विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव तथा समत्वचिन्तन के उच्चआदर्शों से मानवीय सद्गुणों का आधान एवं विकास होगा।• भारतीय ज्ञान के निधिभूत चारों वेदों की विषयवस्तु की जानकारी उपलब्ध होगी।• उपनिषद्साहित्य के अनुशीलन से भारतीय संस्कृति का समुचित ज्ञान प्राप्त होगा।	
6. Credit Value	NIL	
7. Total Marks	External Marks: 100	Min. Marks: 36

Part B: Content of the Course		
Unit	Topics	Lectures
I.	ऋग्वेदसूक्त अग्नि 1.1 , इन्द्र 1.12 , रुद्र 11.33, उषस् 3.61, वरुण 7.86, सरमापणिसंवाद 10.108 , हिरण्यगर्भ 10.121	20
II.	शुक्लयजुर्वेदसूक्त-शिवसंकल्पसूक्त 34.1-6 अथर्ववेदसूक्त- राष्ट्राभिवर्धनसूक्तम् 1.29 , कालसूक्तम् 10.53 , पृथ्वीसूक्तम् 12.1	20
III.	ब्राह्मण तथा उपनिषद् शतपथब्राह्मण- (1, 63, 1-21) त्वष्टा के पुत्र विश्वरूप की कथा ईशावास्योपनिषद् (सम्पूर्ण)	20
IV.	निरुक्त निरुक्त- यास्करचित (प्रथम अध्याय)	20



अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

कोनी पुलिस थाना के सामने, बिलासपुर-रतनपुरमार्ग, कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) 495009

Website : www.bilaspuruniversity.ac.in

V.	प्रातिशाख्य तथा शिक्षा 1. तैत्तिरीय प्रातिशाख्य –प्रथम अध्याय 2. पाणिनीय शिक्षा (सम्पूर्ण)	20
----	--	----

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Books and E-Resources

Text Books / Reference Books:

1. न्यूवैदिकसलेक्शन—चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी
2. ईषावास्योपनिषद्—चौखम्बा प्रकाशन,, वाराणसी
3. निरुक्त— यास्क, डॉ. उमाशंकरशर्मा, चौखम्बा प्रकाशन,, वाराणसी
4. पाणिनीय शिक्षा —डॉ. कमला प्रसाद पाण्डेय, वि. वि. प्रकाशन,, लखनऊ
5. शतपथब्राह्मण—डॉ. कमला प्रसाद पाण्डेय, वि. वि. प्रकाशन,, लखनऊ
6. तैत्तिरीय प्रातिशाख्य —डॉ. कमला प्रसाद पाण्डेय, वि. वि. प्रकाशन,, लखनऊ

E-Resources:

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

ऑनलाइन सम्मिलित
ऑनलाइन सम्मिलित



अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

कोनी पुलिस थाना के सामने, बिलासपुर-रतनपुरमार्ग, कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) 495009

Website : www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction		
Program: MA SANSKRIT	YEAR: PREVIOUS	w.e.f. Academic Session: 2023-24
1. Course Code	SAMP102	
2. Course Title	: व्याकरण, भाषाविज्ञान, पालि तथा प्राकृत	
3. Course Type	Theory	
4. Pre-requisite (if any)	No	
5. Course Learning Outcomes (CLO)	At the end of this course, the students will be able to: <ul style="list-style-type: none">• विश्वस्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा।• वर्णमाला की गहन जानकारी पूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा।• शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी।• शब्द-अर्थ-ध्वनि-सहित भाषिकपक्ष के साथ संसार के भाषा-परिवार तथा भारतीयआर्यभाषाओं का सम्यक्ज्ञान प्राप्त होगा।• भाषाविज्ञान के द्वारा भाषा के मूलतत्वों, भाषा की संरचना एवं विकास का ज्ञान होता है।	
6. Credit Value	NIL	
7. Total Marks	External Marks: 100	Min. Marks: 36

Part B: Content of the Course		
Unit	Topics	Lectures
I.	भट्टोजिदीक्षितकृत सिद्धान्त कौमुदी-कारक प्रकरण	20
II.	भाषाविज्ञान- भाषा का स्वरूप और उद्गम भाषा विज्ञान का क्षेत्र एवं अन्य विज्ञान से संबंध। ध्वनि नियम, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनियों के गुण अर्थतत्त्व और संबंध तत्त्व।	20
III.	भाषाविज्ञान- रूपविज्ञान भाषा का आकृति मूलक वर्गीकरण। भारोपीय भाषापरिवार एवं उसकी विशेषताएं भाषा, विभाषा बोली, संस्कृत एवं प्राकृत की तुलना।	20
IV.	पालिप्रवेशिका-पाठ 1,3,5,6,10,12 (व्याख्या हेतु)	20
V.	प्राकृतप्रवेशिका-पाठ 1,2,3,14,20,24 (व्याख्या हेतु)	20



अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

कोनी पुलिस थाना के सामने, बिलासपुर-रतनपुरमार्ग, कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) 495009

Website : www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Books and E-Resources

Text Books / Reference Books:

1. भाषाविज्ञान –डॉ. भोलानाथ तिवारी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. अष्टाध्यायीसहजबोध (खंड 1 व 2) – डॉ. पुष्पादीक्षित, प्रतिभाप्रकाशन, दिल्ली
3. पालिप्रवेशिका –डॉ. कोमलचन्द्र जैन चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी
4. प्राकृतप्रवेशिका –डॉ. कोमलचन्द्र जैन चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

— ऑनलाईन अभिलेखित
— ऑनलाईन अभिलेखित



अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

कोनी पुलिस थाना के सामने, बिलासपुर-रतनपुरमार्ग, कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) 495009

Website : www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction		
Program: MA SANSKRIT	YEAR: PREVIOUS	w.e.f. Academic Session: 2023-24
1. Course Code	SAMP103	
2. Course Title	दर्शन	
3. Course Type	Theory	
4. Pre-requisite (if any)	No	
5. Course Learning Outcomes (CLO)	At the end of this course, the students will be able to: <ul style="list-style-type: none">• भारतीय आस्तिक-नास्तिक दर्शनों से तर्कपूर्ण-चिन्तन की क्षमता विस्तृत होगी।• न्यायदर्शन के प्रमाणवाद सिद्धान्तों की मौलिक जानकारी का ज्ञान होगा।• सबसे प्राचीन सांख्यदर्शन के 25 तत्वों तथा दार्शनिक सिद्धान्तों का विस्तृत ज्ञान होगा।• अद्वैतवेदान्त की प्रमुख विचारधाराओं का परिचय प्राप्त होगा।• दार्शनिक सृष्टिप्रक्रिया का बोध होगा।	
6. Credit Value	NIL	
7. Total Marks	External Marks: 100	Min. Marks: 36

Part B: Content of the Course		
Unit	Topics	Lectures
I.	केशवमिश्रकृत तर्कभाषा – (आरम्भ से अर्थापत्तिप्रमाण पर्यन्त)	20
II.	ईश्वरकृष्णकृत सांख्यकारिका – (व्याख्या हेतु)	20
III.	सदानन्दकृत वेदान्तसार – (व्याख्या हेतु)	20
IV.	सदानन्दकृत वेदान्तसार – (आलोचनात्मक प्रश्न)	20
V.	ईश्वरकृष्णकृत सांख्यकारिका – (आलोचनात्मक प्रश्न)	20



अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

कोनी पुलिस थाना के सामने, बिलासपुर-रतनपुरमार्ग, कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) 495009

Website : www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction		
Program: MA SANSKRIT	YEAR: PREVIOUS	w.e.f. Academic Session: 2023-24
1. Course Code	SAMP104	
2. Course Title	साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र	
3. Course Type	Theory	
4. Pre-requisite (if any)	No	
5. Course Learning Outcomes (CLO)	At the end of this course, the students will be able to: <ul style="list-style-type: none">• काव्यशास्त्रीय विभिन्न मतों के अनुशीलन से पारम्परिक ज्ञान होगा।• मौलिकचिन्तन एवं आलोचनात्मक बुद्धि विकसित होगी।• शब्द, अर्थ तथा शब्दशक्तियों का ज्ञान काव्य तथा भाषा के अवबोध में दक्षता प्रधान करेगी।• अभिनयकला के कलात्मक तथा भावात्मकपक्ष का ज्ञान होगा।• सौन्दर्यशास्त्र के विविध पक्षों का समुचित ज्ञान होगा।	
6. Credit Value	NIL	
7. Total Marks	External Marks: 100	Min. Marks: 36

Part B: Content of the Course		
Unit	Topics	Lectures
I.	चिन्तक तथा प्रमुख सिद्धान्त—भरत, दण्डी, आनन्दवर्धन, कुन्तक, पण्डितराज जगन्नाथ, राजशेखर, वामन, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, आचार्यमम्मट।	20
II.	भरतमुनिकृत नाट्यशास्त्र – प्रथम अध्याय	20
III.	भरतमुनिकृत नाट्यशास्त्र – द्वितीय अध्याय	20
IV.	काव्यप्रकाश – प्रथम उल्लास	20
V.	काव्यप्रकाश – द्वितीय उल्लास	20



अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

कोनी पुलिस थाना के सामने, बिलासपुर-रतनपुरमार्ग, कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) 495009

Website : www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Books and E-Resources

Text Books / Reference Books:

1. काव्यप्रकाशन – मम्मट, चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी
2. नाट्यशास्त्र – भरतमुनि, चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी

E-Resources:

1. <https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=OcXGfDp/okkJITwp9YnKuA==>

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकुंवर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

Handwritten signature in blue ink.

Handwritten text in blue ink: ऑनलाइन सम्मिलित



अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

कोनी पुलिस थाना के सामने, बिलासपुर-रतनपुरमार्ग, कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) 495009

Website : www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction		
Program: MA SANSKRIT	YEAR: PREVIOUS	w.e.f. Academic Session:2023-24
1. Course Code	SAMP105	
2. Course Title	काव्य	
3. Course Type	Theory	
4. Pre-requisite (if any)	No	
5. Course Learning Outcomes (CLO)	At the end of this course, the students will be able to: <ul style="list-style-type: none">• काव्यशास्त्रीय विभिन्न मतों के अनुशीलन से पारम्परिक ज्ञान के साथ मौलिक चिन्तन एवं आलोचनात्मक बुद्धि विकसित होगी।• खण्डकाव्यविधा का परिपूर्ण ज्ञान होगा।• काव्य-रचना के विभिन्न अंगों की जानकारी कवित्व-प्रतिभा का यथेष्ट विकास होगा।• विश्वप्रसिद्धनाटक की काव्यगत विशेषताओं की जानकारी मिलेगी।• अभिनयकला के कलात्मक तथा भावात्मक पक्ष का ज्ञान होगा।	
6. Credit Value	NIL	
7. Total Marks	External Marks: 100	Min. Marks: 36

Part B: Content of the Course		
Unit	Topics	Lectures
I.	क. कालिदासकृत मेघदूतम् –पूर्वमेघ (श्लोकव्याख्या) ख. कालिदासकृत मेघदूतम् –पूर्वमेघ (आलोचनात्मक प्रश्न)	20
II.	क. शूद्रककृत मृच्छकटिकम् –अंक 1, 3, 10 व्याख्या हेतु ख. शूद्रककृत मृच्छकटिकम् –आलोचनात्मक प्रश्न	20
III.	श्रीहर्षकृत नैषधीयचरितम् –प्रथमसर्ग (श्लोक व्याख्या)	20
IV.	श्रीहर्षदेवकृत रत्नावलीनाटिका–(श्लोक व्याख्या)	20
V.	आलोचनात्मक प्रश्न नैषधीयचरितम् अथवा रत्नावलीनाटिका से	20



अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

कोनी पुलिस थाना के सामने, बिलासपुर-रतनपुरमार्ग, कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) 495009

Website : www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Books and E-Resources

Text Books / Reference Books:

1. मेघदूतम् – कालिदास, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. नैषधीयचरितम् – श्रीहर्ष, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. मृच्छकटिकम् – शूद्रक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. रत्नावलीनाटिका – श्रीहर्षदेव, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

E-Resources:

1. <https://hindisamay.com/content/8cspk>
2. <https://bharatdiscovery.org/india/%E0%A4%AE%E0%A5%87%E0%A4%98%E0%A4%A6%E0%A5%82%E0%A4%A4>

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम:-

1. डॉ. एन. पी. शुक्ला, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
2. डॉ. सीमा पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. बिलासा कन्या महा. बिलासपुर
3. श्री बालकृन्वर साय, सहा. प्राध्यापक, जे.पी.वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर
4. डॉ. पी. सी. द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, सी.एम.डी. महा. बिलासपुर
5. श्री कन्हैया सिंह कंवर, सहा. प्राध्यापक, ई.वी.पी.जी. महा. कोरबा
6. डॉ. के. एन. शुक्ल, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
7. डॉ. उमारानी त्रिपाठी, प्राध्यापिका, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

Handwritten signature/initials

ऑनलाइन अभिलेखित
ऑनलाइन अभिलेखित